

तारीख
हुक्म

18/5/20

समय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर है। अदालत पर है/परिवर्तित है अतः पत्रावली दिनांक 20/7/20 को पेश हो।



उपखण्ड अधिकारी करेडा

20/7/20

समय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर है। अदालत पर है/परिवर्तित है अतः पत्रावली दिनांक 21/9/20 को पेश हो।



उपखण्ड अधिकारी करेडा

21/9/20

पत्रावली पेश हुई अभिभाषकमय द्वारा न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार स्थान से पत्रावली दिनांक 23/11/20 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी पदेन सहायक कलक्टर करेडा

23/11/20

समय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर है। अदालत पर है/परिवर्तित है अतः पत्रावली दिनांक 22/12/20 को पेश हो।



उपखण्ड अधिकारी करेडा

22/12/20

पत्रावली पेश हुई अभिभाषकमय द्वारा न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार स्थान से पत्रावली दिनांक 18/01/2021 को पेश हो।



उपखण्ड अधिकारी पदेन सहायक कलक्टर करेडा

18/01/2021

पत्रावली पेश हुई वकील अशोक गुप्ता वकील सै 3 व 9 उपस्थित प्रत्येकी के प्रतिनायक से विपक्षी सं 3 व 9 से अंतर से कोड अवकाश पेश नही किया जाने से अवकाश का अवसर बंद होना जाना है। अतः से उभयपक्ष अंतर वी कहल सुनी गइ वकील अशोक गुप्ता



उपखण्ड अधिकारी पदेन सहायक कलक्टर करेडा

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मसु इनीशियल्स जज (1) सुवालाल कुमावत चर्गा कनाम (1) मते सरजु हुक्म की तापील कुमावत के जमीन नहीं हुए</p>	<p>संख्या व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तापील नहीं हुए</p>
	<p>मे कर ह के दौरान तक दिनांक 1994 में उत्पीठिण ग्राम कर ज की रणसं 1 से 9 की संपुका एवं विपक्षी गणसं 1 से 9 की संपुका खातेदारी आधिकार अधिनियम की आठ नं 7836 संख्या 16 वीं चरण विस्थापित स्थित हैं। उक्त आराजी में उत्पीठिण का संपुका सर से 1/2 एक हिस्सा और विपक्षी गणसं 1 से 9 का भी 1/2 एक हिस्सा राजस्व अधिनियम में दर्ज हैं। हंजा व आजी पुत्रिया देवा कुमावत द्वारा अपना संपुका एक हिस्सा उत्पीठिण के पक्ष में एक लगान का दिनांक से पक्षक नहीं बनाया गया है। उक्त वगैर भूमि उत्पीठिण एवं विपक्षी गण के संपुका खाते में रखे से इस भूमि में फलित कर कर रहे, भूमि विक्रीत काम में आजी करिब गृहकार्य है। खातेदारी के मध्य विचार बनारही हैं। जिससे इस भूमि का मीर स एंड वाइज्डल से विभाजन कराया जाकर उत्पीठिण के एक हिस्से अनुसार खाते व लगान आमग-ममग कराया जाना आवश्यक है। विपक्षी गण उक्त अधिभाजित आराजी का अपनी मन मर्जी आभाव खुद खुद अंतरित एवं आरत कर रहे व आमादा हैं। उत्पीठिण के हमारे कब्जा कार की भूमि से वेद खल करत पर आमादा हैं। विपक्षी गण के खाती मिजडाशा की भूमि से पाके करिया जाना आवश्यक है। उत्पीठिण का प्रथम हिस्सा आमादा है एवं सुविधा संतुलन की उत्पीठिण के पक्ष में हैं। विपक्षी गण के ताफेसला बाद आस्थापित मिजडाशा</p>	

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
	<p>से पांक्ट नही किया गया तो वे इका वादगुस्त अविभाजित आराज सुप्रीम को कब्जे करार में समाप्त कर वेदावल कर देगे जिससे अर्थीगण को अक्षरणीय शक्ति होगी जिसकी पूर्ति की जाना संभव नही है।</p> <p>अतः सुप्रीम को अधिनापत्र स्वीकार परमाप्त जाकर ताफेसाल वाट विपक्षी गण को अस्थायी निषेधाज्ञा से पांक्ट कराया जावे कि वे ग्राम कोडा तहसील करेड में स्थित लता सं 1994 में अंकित आराज नं 7836 रकवा 16वीं प्ला 07 विस्वाभूमि की मौजे एवं रेकार्ड की अध्यास्थिति बनाये रखें। उक्त भूमि के शांतिपूर्व उपयोग उपभोग में अधिगण को बाधना उत्पन्न नही करे।</p> <p>सुदूर में विपक्षी सं 3 व 9 में अविभाजित सुप्रीम को अधिना पत्र में वर्णित स्थान का विरोध किया।</p> <p>अधिनापत्र अधिगण पर उक्तपत्र स्वीकार की बहल पर मन्तरकिना पत्रावली में उपलब्ध इसाके का अवलोकन किया गया अधिना पत्र में वर्णित तीन विन्दु अधिगण के पक्ष में पाये गये सुप्रीम को अधिनापत्र किया जाता है। तथा वादगुल आराज की ताफेसाल वाद राजस्व रेकार्ड एवं मौजे की अध्यास्थिति बनाये रखने हेतु विपक्षी गण को पांक्ट किया जाता है। पत्रावली के समुचित होकर दस नंबर से कम हो। पत्रावली सुप्रीम को पत्रावली में वर्णित सामग्री निर्गमन से इजाजत देना।</p>	

उपखंड अधिकारी पदेन
सहायक कलक्टर करेडा